STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

भारत –रूस RELOS Pact: आर्कटिक

पहुंच और रणनीतिक ताकत का नया

अध्याय

Defence & Security
26 Apr 2021

RELOS Pact क्या है?

भारत और Russia के बीच हुआ RELOS (Reciprocal Exchange of Logistics Support) एक रक्षा
लॉजिस्टिक्स समझौता है। इसके तहत दोनों देश एक -दूसरे के सैन्य
ठिकानों , बंदरगाहों और सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। इससे लंबी
दूरी के सैन्य ऑपरेशन के दौरान ईंधन, मरम्मत , सप्लाई और अन्य जरूरी
सुविधाएं आसानी से मिलती हैं। यह समझौता सैन्य दक्षता बढ़ाने और
ऑपरेशनल समय कम करने में मदद करता है।

रूसी पोर्ट्स तक पहुंच : भारत के लिए महत्व

इस समझौते के जरिए भारत को रूस के आर्कटिक और सुदूर पूर्व (Far East) के
महत्वपूर्ण बंदरगाहों तक पहुंच मिल सकती है। इससे भारतीय नौसेना
की पहुंच हिंद महासागर से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर तक हो जाती है। अब
भारतीय जहाज लंबी अवधि तक तैनात रह सकते हैं और बीच में ही
रीफ्यूलिंग व सपोर्ट ले सकते हैं। इसके साथ ही व्यापार और ऊर्जा
आपूर्ति के नए रास्ते भी मजबूत होते हैं।

आर्कटिक एक्सेस : भविष्य का बड़ा अवसर

आर्कटिक क्षेत्र तेजी से वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का
केंद्र बन रहा है। बर्फ पिघलने से Northern Sea Route जैसे नए समुद्री
रास्ते खुल रहे हैं, जो एशिया और यूरोप के बीच दूरी कम करते हैं।
इसके अलावा यहां तेल, गैस और खनिज संसाधनों के विशाल भंडार हैं। रूस
के साथ साझेदारी के जरिए भारत को इस क्षेत्र में अप्रत्यक्ष लेकिन
मजबूत प्रवेश मिलता है, जो भविष्य में बहुत फायदेमंद साबित हो सकता
है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

ईरान संकट के बीच इसकी अहमियत

Iran के आसपास बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थिति में Strait of Hormuz जैसे
अहम समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ जाता है। इससे तेल सप्लाई और
वैश्विक व्यापार प्रभावित हो सकता है। ऐसे समय में RELOS pact भारत को
वैकल्पिक लॉजिस्टिक्स और सप्लाई रूट्स देता है, जिससे देश की
ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्थिति मजबूत होती है।

रणनीतिक संदेश और विदेश नीति

यह समझौता भारत की मल्टी -अलाइनमेंट नीति को दर्शाता है, जहां भारत
एक साथ कई शक्तिशाली देशों के साथ संतुलन बनाए रखता है। एक ओर
पश्चिमी देशों के साथ संबंध मजबूत हैं, तो दूसरी ओर रूस के साथ
सहयोग भी जारी है। इससे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता (Strategic Autonomy)
और वैश्विक भूमिका मजबूत होती है।

भारत के लिए कुल फायदे

RELOS pact से भारत को कई बड़े लाभ मिलते हैं —जैसे वैश्विक स्तर पर
सैन्य पहुंच का विस्तार , नौसेना की ताकत में वृद्धि , ऊर्जा सुरक्षा
मजबूत होना और सप्लाई चेन में विविधता आना। यह समझौता भारत को संकट
के समय ज्यादा विकल्प और लचीलापन देता है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias